रक्षा कमानी केज़रीवाल

करिअर विशेषज्ञ व सलाहकार कानपुर ने इस बार के जवाब दिये हैं

अनुसंधान उन्मुख विज्ञान

क्या बायोटेक्नोलॉजी में भविष्य बनाने के लिए कक्षा 12वीं में गणित और विज्ञान दोनों विषय होने चाहिए। कॉलेजों में प्रवेश कैसे होता है?

राहुल मौर्य, कानपुर

उत्तर

आज के दौर में बायोटेक्नोलॉजी अनुसंधान उन्मुख विज्ञान है। यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का संयोजन है। इस कोर्स के अंतर्गत बहुत से विषय आते हैं। इसमें जिनेटिक्स, बायोकेमेस्ट्री, माइक्राबायोलॉजी, इम्यूनोलॉजी, सेल बायोलॉजी विषय आदि प्रमुख हैं। बायोटेक्नोलॉजी अनुसंधान कोर्स की इस समय देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी अच्छी खासी माँग है। इस कोर्स की ओर विद्यार्थियों का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र में एडमिशन लेने के लिए यह जरूरी नहीं है कि 12 वी में केवल जीव विज्ञान विषय हो। अगर आप गणित विषय से पास हैं तब भी इस क्षेत्र में करिअर बनाने के बेहतरीन अवसर हैं। देश के अच्छे कॉलेज में दाखिला लेने के लिए आपको प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी। अच्छे कॉलेज में प्रवेश के लिए जे.एन.यू. (Jawaharlal Nehru University, delhi) द्वारा आयोजित Combined Biotechnology Entrance Examination 2012 (CBEE 2012), गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित Common Entrance Test-2012 (IPU CET - 2012), जैसी प्रवेश परीक्षाएँ होती हैं। कई विश्वविद्यालय इसके परीक्षा आयोजित करते हैं। जिसको पास कर आप दाखिला प्राप्त कर सकते हैं। और बेहतरीन करिअर बना सकते हैं।

होनहार विद्यार्थी

बिना तनाव के पढ़ता है ऋषभ

ऋषभ शर्मा

कक्षा-7, रामानुजन पब्लिक स्कूल

साहापुर, इलाहाबाद

उपलब्धियाँ

- 2009- अखिल भारतीय नागरिक विकास केन्द्र द्वारा आयोजित ऑल इंडिया कला एवं आलेख प्रतियोगिता में कल्परत्न अवॉर्ड।
- 2011- 14वें नेशनल विज्ञान ओलंपियॉड में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी पुरस्कार
- 2011- 5वें गणित ओलंपियॉड में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी पुरस्कार
- 2011- नेशनल साइबर ओलंपियॉड में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी पुरस्कार।।
- 2011- महात्मा गांधी राष्ट्रभाषा हिंदी प्रचार संस्था द्वारा आयोजित अखिल भारतीय गांधी रचना परीक्षा में प्रथम स्थान। ।

दिन में सिर्फ़ दो घंटे पढ़ाई

ऋषभ ने छोटी सी उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए इतनी सारी उपलब्धियां हासिल कर लीं हैं। वह कहता है कि वह दिन में सिर्फ़ दो घंटे पढ़ता है। ऋषभ ने कहा कि उसे पढ़ते समय किसी तरह का तनाव नहीं रहता है।

पढ़ाई के साथ खेल भी जरूरी

वह कहता है कि ख़ुद को तरोताजा रखने के लिए पढ़ाई के साथ-साथ खेलना भी जरूरी है। ऋषभ को टी.वी. पर बॉलीवुड फ़िल्में, हिस्ट्री चैनल और खाली समय में कार्टून देखना खूब भाता है। इसके अलावा क्रिकेट और रेस उनके पसंदीदा खेलों में शुमार हैं। पढ़ाई के दौरान ऋषभ कहते हैं कि मुझे मेरे दादा जी की बहुत मदद मिलती है।

इंजीनियर बनने की चाह

गणित विषय को ज़्यादा समय देने वाले ऋषभ भविष्य में इंजीनियर बनना चाहते हैं। ऋषभ का कहना है कि मैं जितनी भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेता हूँ तो यह सोचकर लेता हूँ कि कैसे भी मुझे प्रथम स्थान लाना है। मैं अपने आत्मविश्वास को हमेशा मजबूत रखता हूँ। 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद मैं इंजीनियरिंग की पढ़ाई मन लगाकर करते हुए अपने लक्ष्य को पाने की कोशिश करूंगा।

प्रस्तुतिः इलाहाबाद ब्यूरो

अतिथि प्रबंधन में करिअर

अतिथि प्रबंधन (Hospitality) कोर्स क्या होता है? इसके प्रमुख संस्थान कौन से हैं? करिअर की क्या संभवानाएँ हैं?

ऋषि भारद्वाज, हल्द्वानी

उत्तर

अतिथि प्रबंधन (Hospitality Management) एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कार्य और पढ़ाई दोनों साथ-साथ करना होता है। इस क्षेत्र के अंतर्गत होटल, ट्रैवेल एजेंसी, रेस्त्रां इत्यादि आते हैं। वर्तमान युग में देश-विदेश में अतिथि प्रबंधन की विद्यार्थियों के बीच एक अलग ही जगह ही बन चुकी है। हॉस्पिटेलिटी मैनेजमेंट के क्षेत्र में हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्री और मैनेजमेंट की पढ़ाई करनी होती है। होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में भारत में नए लोगों की सबसे अधिक माँग है। इस कोर्स को करने के लिए देश में कई जगहों पर सरकारी और गैरसरकारी संस्थान मौजूद हैं। जहाँ से आप इसकी पढ़ाई कर सकते हैं। कुछ होटल प्रबंधन संस्थान इस प्रकार हैंः आई.एच.एम., मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, औरंगाबाद, रिजवी इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई इत्यादि प्रमुख संस्थान हैं। आज के दौर में इस कोर्स में अच्छा करियर बनाने की संभावना है।

कारों की डिज़ायनिंग में कोर्स

मैं कारों का डिज़ायनर बनना चाहता हूँ। क्या इसका कोई विशेष कोर्स होता है, यदि हाँ, तो प्रमुख संस्थान कौन से हैं?

निशांत सिंह, गुड़गाँव

उत्तर

कार डिज़ायनिंग कोर्स के लिए कला, वाणिज्य और विज्ञान से कक्षा 12 पास होना न्यूनतम पात्रता है। इसमें 3 वर्ष का डिप्लोमा तथा परास्नातक कोर्स करने के लिए किसी भी विषय से स्नातक पास छात्र कर दाखिले के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आपको अपना पूरा विवरण तैयार करने की जरूरत है। जो आपकी दक्षता को साबित करता है। यह डिज़ायनिंग स्कूल में दाखिले के लिए मील का पत्थर साबित हो सकता है। देश में पिछले वर्षों की अपेक्षा ऑटोमाबाईल क्षेत्र में अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। भारत कई देशी-विदेशी कंपनियों के लिए प्रमुख बाजार बन चुका है। आज के समय में देश में ऑटोमोबाईल के क्षेत्र में करिअर की संभवानाएँ तेजी से बढ़ी हैं। इस क्षेत्र में डिज़ायन बहुत महतवपूर्ण स्थान रखता है। डी.वाई.पी.डी.सी. सेंटर इस क्षेत्र में शोध और पढ़ाई के मामले में देश के अग्रणी संस्थानों में से एक है।

स्पोर्ट्स फ़िजियो

मैं स्पोर्ट्स फ़िजियोथेरेपी में करिअर बनाना चाहता हूँ। इसके लिए कौन सी पढ़ाई करनी पड़ती है। प्रवेश कैसे लिया जा सकता है?

अनवर अली, मुरादाबाद

उत्तर

बैचलर ऑफ फ़िजियोथेरेपी में दाखिले के लिए 12वीं पास होना जरूरी है। 12वीं में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान से पास होना आवश्यक हैं। कोर्स पूरा करने के बाद आप अपनी इच्छानुसार खेल या अन्य क्षेत्र का चयन कर सकते है। इस क्षेत्र के हिसाब से आगे ही आगे की पढ़ाई कर सकते है। खेल के क्षेत्र में जाने के लिए आप इससे जुड़े विशेष कोर्स कर सकते हैं। फ़िजियोथेरेपी कोर्स के लिए आप जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज, अपोलो इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, हैदराबाद, जामिया हमदर्द फैकल्टी ऑफ मेडिसिन, नई दिल्ली, डॉ. बी आर अंबेडकर मडिकल कॉलेज हॉस्पिटल, बेंगलुरु से पढ़ाई कर सकते हैं। इसके बाद ही विशेषज्ञता की जा सकती है।

होम्योपैथी में करिअर

होम्योपैथी में करिअर बनाने के लिए क्या करना चाहिए। प्रमुख कॉलेज कौन से हैं? सरकारी कॉलेज में पढ़ने के लिए क्या करना चाहिए?

अरविंद, चंडीगढ़

उत्तर

12वीं में विज्ञान विषय पास छात्र Bachelor of Homeopathic Medicine and Surgery (BHMS) के लिए प्रवेश परीक्षा पास कर दाखिला ले सकते हैं। यह साढ़े पाँच वर्ष का कोर्स है। बी.एच.एम.एस. का कोर्स पूरा करने के बाद निजी या सरकारी अस्पतालों के साथ काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपना निजी क्लीनिक खोल सकते हैं। इस कोर्स में प्रवेश लेने के लिए पूरे देश में कई प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है, इनमेंः ऑल इंडिया इंस्टीट्यट ऑफ मेडिकल साइंस प्रवेश परीक्षा, ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट, ऑल स्टेट लेवल कॉमन मेडिकल आदि प्रवेश परीक्षाएँ हैं। कुछ विश्वविद्यालय ऐसे हैं जो स्वयं ही प्रवेश परीक्षा आयोजित कराते हैं। इनमें दिल्ली विश्वविद्यालय, गोवा संयुक्त प्रवेश परीक्षा, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला, बी.एच.एम.एस. प्रवेश परीक्षा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ होम्योपैथी, कोलकाता आदि हैं। इस प्रवेश परीक्षा में भाग लेने के लिए विज्ञान विषयों में12वीं पास होने के साथ अंग्रेजी विषय का ज्ञान होना ज़रूरी है।